मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 29 जून 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	30/06/18	01/07/18	02/07/18	03/07/18	04/07/18
वर्षा (मि.मी.)	20	10	1	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	32	32	33	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	25	25	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	7	7	5	6
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	96	95	94	96	95
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	36	35	32	28	24
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	11	9	7	12
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
बाजरा	बुवाई	बाजरे की बुवाई के लिए 1–2 बार जुताई कर खेत तैयार करें। एम.पी. एम.एच–21, एम.पी.एम.एच–17, जी.एच.बी–905, एम.बी.सी–2, एच.एच. बी–67(इम्प्रूड), जी.एच.बी–719, सी.जेड.पी–9802, जी.एच.बी–744, आर. एच.बी–177 व आर.एच.बी–173 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। चार किलो बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग मे लें। अन्तिम जुताई के समय 30 किलो नत्रजन व 30 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
मोठ	बुवाई	मोठ की बुवाई के लिए सी.जेड.एम–2, आर.एम.ओ–435. आर.एम.ओ–257, आर.एम.ओ–225 व आर.एम.ओ–40 उन्नत किस्में है। प्रति हैक्टेयर हेतु 10 किलो बीज उपयुक्त है। बुवाई से पूर्व 3 ग्राम कैप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
		मूंग मोठ व ग्वार की फसलों के बीजो को कवकनाशी एंव कीटनाशी से उपचार के बाद उप्युक्त जीवाणु खाद से उपचारित करें।
बेर, आंवला, गुन्दा आदि		फलदार पौधें जैसे बेर, आंवला, गुन्दा आदि के पौधें लगाने के लिए सही समय है।
पशु		पशुओं को बारिश से बचाएं तथा उन्हे सुरक्षित स्थान पर बाधें।

(नौडल ऑफीसर)